

निगाहें करम की नज़र कीजिए भजन लिरिक्स



निगाहें करम की नज़र कीजिए,
गमे ज़िंदगी की सहर कीजिए,
दर दर फिरूँ मैं भटकती यहाँ,
प्रभु अब तो मेरी खबर लीजिए,
निगाहे करम की नज़र कीजिए,
गमे ज़िंदगी की सहर कीजिए। **bd।**

बिगड़ा नसीबा बनाते तुम्ही हो,
बिछड़े हुआँ को मिलाते तुम्ही हो,
मुझपे चढ़ाकर रंग अपना,
सुदामा के जैसी मेहर कीजिए,
निगाहे करम की नज़र कीजिए,
गमे ज़िंदगी की सहर कीजिए। **bd।**

ना मांगूँ मैं खुशी मैं दोनों जहाँ की,
जरूरत मुझे बस तुम्हारी दया की,
मुझे अपने दर की जोगन बना,
ना दर से मुझे दर ब दर कीजिए,
निगाहे करम की नज़र कीजिए,
गमे ज़िंदगी की सहर कीजिए। **bd।**

ये माना है मैं तेरे काबिल नहीं हूँ,
तेरे भक्तजन में मैं शामिल नहीं हूँ,
'चन्दन' अपनी दासी बना,
'अनाड़ी' के जैसी कदर कीजिए,
निगाहे करम की नज़र कीजिए,
गमे ज़िंदगी की सहर कीजिए। **bd।**

निगाहें करम की नज़र कीजिए,
गमे ज़िंदगी की सहर कीजिए,
दर दर फिरूँ मैं भटकती यहाँ,
प्रभु अब तो मेरी खबर लीजिए,
निगाहे करम की नज़र कीजिए,
गमे ज़िंदगी की सहर कीजिए। **bd।**

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

